

This question paper contains 1 printed page.

December, 2021

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121302303 / C-303
Name of the Paper	:	ध्वन्यालोक एवं नाट्यशास्त्र Dhvanyaloka & Natyasastra
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), EC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
3. The **4 questions** to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.

1. भरत की नाट्यरस विषयक अवधारणा को समझाइए।
Explain Bharata's concept of Natya- rasa.
2. रससूत्र पर अभिनवगुप्त की विचारधारा की समीक्षा कीजिए।
Review Abhinavagupta's theory on the Rasa-sutra.
3. शान्तरस के विषय में नाट्यशास्त्र की दृष्टि स्पष्ट कीजिए।
Explain the point of view of Natyashastra about Shantarasa.
4. स्पष्ट करें कि ध्वनि का अन्तर्भाव भक्ति में नहीं हो सकता।
Explain that dhvani cannot be comprised in Bhakti.
5. वाच्य और व्यंग्य का भेद सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
Explain the difference between vachya and pratiyamana with the example.
6. ध्वनि के आलोक में ध्वन्यालोक के मंगलाचरण की विवेचना कीजिए।
Analysis the invocation of Dhvanyaloka in the light of dhvani.